श्रीमती शीला कौल : मान्यवर, मैंने यह नहीं कहा कि मैं इसको इम्प्लीमेंट करूंगी । मैंने तो यही कहा है कि हमारे मिनिस्टर आफ हैल्थ यहां बैठे हैं और उन को भी यह सुनने का मौका मिला है कि इस सम्बन्ध में कितना बड़ा काम हुआ है । मैं समझती हूं कि यह काम बहुत जल्दी किया जायेगा ।

श्री जगपाल सिंह : बंगलौर में मानसिक दुर्बलता का जो ऐनेलेसिस या विश्लेषण किया गया है, क्या उससे यह पता चला है कि पौष्टिक आहार की कमी भी मानसिक दुर्बलता का एक कारण है ? आज भी हमारे देश में ऐसी करोड़ों माताएं हैं--पौष्टिक आहार मिलने की बात तो छोड़िए जो छोटे बच्चे के खाना मांगने पर उसको पीटती हैं कि वह खाना क्यों मांगता है । यदि पौष्टिक आहार की कमी भी मानसिक दुर्बलता का एक कारण बताया गया है, तो क्या मंत्री महोदया ने, जिनके पास समाज कल्याण मंत्रालय भी है, करोड़ों बच्चों को पौष्टिक आहार देने की किसी योजना पर विचार किया है ; यदि हां, तो उस योजना को कब तक कार्यान्वित किया जाएगा ?

श्रीमती शीला कौल : मान्यवर, माननीय सदस्य ने बड़ा सुन्दर सवाल पूछा है । मैं भी एक महिला हूं और मैं समझती हूं कि यह एक बहुत अच्छा सवाल है । यह बात सही है कि मैलन्यूट्रीशन से मेन्टल रिटार्डेशन होता है । बच्चा पैदा होने से पहले अगर मां को न्यूट्रीशन सही नहीं मिलता है--उसको सही मात्रा में प्रोटीन्ज नहीं मिलते हैं, तो बच्चे के ब्रेन की फार्मेशन में फर्क जरूर पड़ता है । सरकार इस कोशिश में है कि गर्भवती महिलाओं के लिए अलग से भोजन दिया जाए । छोटे बच्चों के लिए भी दूध का इन्तजाम है, लेकिन यह उन्हीं पर मुनहसिर है कि वे आएं और उसको लें ।

श्रीमती कृष्णा साही : क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि राज्य सरकारों द्वारा एन्टे-नेटल और प्री-नेटल क्लिनिक चलाए जाते हैं ? क्या मैं मंत्री महोदया से यह अपेक्षा करूं कि वह स्वास्थ्य मंत्री से समन्वय कर के एन्टे-नेटल और प्री-नेटल क्लिनिक्स में इस योजना को प्रारम्भ करने के लिए कोई कारगर कदम उठायेंगी, ताकि नवजात शिशुओं को मेन्टली रिटार्डिड होने से रोका जा सके ?

श्रीमती शीला कौल : मान्यवर, यह जो मेरी बहन ने प्रश्न पूछा है यह इस सवाल से नहीं उठता है क्योंकि हम तो जेनेटिक डिसआर्डर की बात कर रहे हैं ।

Women Police to Help Female Passengers

*482. SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether his attention has been drawn to press reports that at the Madras Railway Station, women police have been posted to help women passengers reach their local destination by arranging for them taxies, etc. catch connecting trains and also arrange accommodation for overnight stay; and

(b) if so, names of railway stations where similar arrangements for women passengers have been made or are proposed to be made.

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI KEDAR PANDEY): (a) and (b). A statment is laid on the Table of the Sabha.

Statement

(a) Yes Sir, one woman Head Constable and three women Police Constables are posted at Madras Central.

Similar arrangements have been made at Madras Egmore Railway Station with the same strength.

These women police personnel at the booths, guide women passengers alighting at these stations at odd hours to their destinations by arranging auto-rickshaws and taxies, etc.

(b) The names of other important railway stations where women police have been posted are; Dadar, Victoria Terminus, Pune, Kalyan, Bhusawal, Nagpur on Central Railway; Hubli, Aurangabad, Purna, Jalna, Akola on South-Central Railway; Patna, on Eastern Railway. They perform duties as per directives given by DIGs|Police (Railways) of the concerned State.

A proposal to post women police at other important railway stations on Southern and South-Central Railways is under consideration.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय, यह प्रश्न केवल मद्रास तक सम्बन्धित नहीं है। पुलिस तो सारे देश में फैली हुई है और महिलाएं सारे देश में यात्रा करती हैं। मैं जानना चाहता हूं कि मद्रास के अलावा और किन स्थानों पर रेलवे पुलिस के अन्तर्गत महिला पुलिस की व्यवस्था है ?

अध्यक्ष महोदय : स्टेटमेंट में दिया हुआ है।

श्री मल्लिकार्जुन : इस समय यह व्यवस्था केवल मद्रास सेंट्रल स्टेशन पर ही नहीं है बल्कि अन्य स्टेशनों पर भी है जैसे विक्टोरिया टर्मिनस, दादर, पुणे, कल्याण, भुसावल, नागपुर, दक्षिण मध्य रेलवे पर हुबली, औरंगाबाद, पुर्णा, जालना, अकोला और पूर्व रेलवे पर पटना में भी यह व्यवस्था हैं। महिला यात्रियों की रक्षा के लिए महिला हैड कांस्टेबल और कांस्टेबलों की इस तरह से पोस्टिंग की गई है और वह डी आइ जी, आर पी एफ के अन्तर्गत रहती हैं। उन का काम महिला यात्रियों को अपनी जगह पर पहुंचने में सहायता देने का है।

श्रीमती कृष्णा साही : अध्यक्ष महोदय, मैं आप के माध्यम से उन को धन्यवाद देना चाहती हूं कि वह बैचलर हैं लेकिन महिलाओं का इतना ध्यान रखते हैं।

अध्यक्ष महोदय : तभी तो बैचलर रहे हैं।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय, यह बात समझ में नहीं आई, इस जवाब में केवल महाराष्ट्र के स्टेशनों का ही उल्लेख हुआ है, क्या महाराष्ट्र के अलावा जो रेलवे स्टेशन हैं उन में महिला पुलिस की आवश्यकता नहीं है? आप नाम देखिए, दादर, विक्टोरिया टर्मिनस, पुणे, कल्याण, भुसावल, नागपुर इत्यादि दिए हैं। अगर यह अन्तुले साहब का असर है तो मुझे कुछ नहीं कहना है।

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सी० के० जाफर शरीफ) : महाराष्ट्र के अलावा भी बताया गया है।

SHRI K. MAYATHEVAR: What is the percentage of women Railway Police selected and appointed in Tamil Nadu State? Is it not a fact that it is unsafe to appoint women as Police as bandoubust is required to be made for them?

SHRI MALLIKARJUN: I do not have this information with me at present.